हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

हर खबर पर पैनी नजर

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

वर्ष:4 अंक:242 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शनिवार, 06 सितंबर 2025

3

उत्तराखंड राजभवन में 16 शिक्षक-शिक्षिकाओं को शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार

पथ प्रवाह, देहरादून

शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजभवन परिसर में च्च्शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार'' सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने वर्ष-2024 के लिए चयनित 16 शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों में 09 प्रारम्भिक, 05 माध्यमिक, 01 शिक्षक प्रशिक्षक और 01 संस्कृत शिक्षक शामिल हैं।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे शिक्षक समाज की मेहनत और तपस्या का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले ही नहीं, बल्कि चरित्र, नैतिकता और जीवन मूल्यों के निर्माता होते हैं।

उन्होंने कहा कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में बच्चों को भटकाव से बचाने और उनमें सही जीवन-दृष्टि विकसित करने का कार्य केवल शिक्षक ही कर सकते हैं। राज्यपाल ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों में किताबें पढ़ने की आदत डालें और उन्हें खेल, संस्कृति तथा रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी शिक्षकों पर होती है। उन्होंने कहा कि शैलेश मटियानी जी ने अपनी कहानियों में उत्तराखण्ड की संवेदनाओं और संघर्ष को जीवंत रूप से अभिव्यक्त किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि उत्तराखण्ड राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। च्बाल वाटिका', च्राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा' और 'कौशलम कार्यक्रम' जैसी पहलें शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दे रही हैं। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश के 1340 विद्यालयों में वर्चुअल क्लास और 950 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास शुरू हो चुकी हैं। इस वर्ष 550 स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम लागू किए गए और 22 हजार प्राथमिक शिक्षकों को टैबलेट प्रदान किए गए हैं। साथ ही, शिक्षा विभाग में लगभग 9500 नई भर्तियां की जा रही हैं।

सम्मानित शिक्षकों की सूची

प्रारम्भिक शिक्षा (09 शिक्षक)

डॉ.यदुनंदन प्रसाद गोड़, रा.प्रा.वि. लालबगड़, दुगड्डा, पौड़ी, सुमन शाह, रा.प्रा.वि. नर्सरी, गुप्तकाशी, चमोली, मुरली लाल राणा, रा.प्रा.वि. बड़गी, उत्तरकाशी, गाटा सिंह, रा.प्रा.वि. झबरेड़ा खुर्द, हरिद्वार, रजनी ममगाई, रा.प्रा.वि. मुनि-की-रेती, नरेंद्रनगर, टिहरी गढ़वाल, मीना बागड़ी, रा.प्रा.वि. पौड़ी, जखोली, रुद्रप्रयाग, नरेंद्र चन्द्र, रा.प्रा.वि. पासमा, लोहारखेत, बागेश्वर, दीवान सिंह कत्याल, रा.प्रा.वि. छिड़ियाबगड़, बेरीनाग, पिथौरागढ़, बिनिता खाती, रा.प्रा.वि. गाड़ो, ताड़ीखेत, अल्मोड़ा माध्यमिक शिक्षा (05 शिक्षक)

पुष्कर सिंह नेगी, प्रधानाचार्य, प.मा.वि. सुरखेत, पौड़ी गढ़वाल, गीतांजलि जोशी, प्रवक्ता, रा.इ.का. बुग्डा, उत्तरकाशी, डॉ. सुनीता भट्ट, प्राचार्य, रा.क.इ.का. देहरादून, प्रकाश चन्द्र उपाध्याय, रा.इ.का. बाफ, चम्पावत, दीपक चन्द्र भट्ट, प्रवक्ता, रा.इ.का. शेर, ताड़ीखेत, अल्मोड़ा

प्रशिक्षण संस्थान (01 शिक्षक) राजेश कुमार पाठक, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) डीडीहाट, पिथौरागढ़

संस्कृत शिक्षा (01 शिक्षक) डॉ. बलवंत प्रसाद चमोली, प्रवक्ता, त्रिवेणी विद्या मंदिर ब्रह्मचारी आश्रम संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय, हरिद्वार सम्मान समारोह में सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रामन, अपर सचिव रंजना राजगुरु, स्व. शैलेश मटियानी के सुपुत्र राकेश मटियानी एवं श्रीमती गीता मटियानी सहित शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

देश के शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए:मुर्मु

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर यहां एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये।

श्रीमती मुर्मु ने इस मौके पर कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने वक्त को याद किया और उस समय को अपने जीवन का एक बहुत ही सार्थक काल बताया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है। शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है। नैतिक आचरण का पालन करने वाले संवेदनशील, जिम्मेदार और समर्पित विद्यार्थी उन विद्यार्थियों से बेहतर होते हैं, जो केवल प्रतिस्पर्धा, किताबी ज्ञान और स्वार्थ में रुचि रखते हैं। एक अच्छे शिक्षक में भावनायें और बुद्धि दोनों होती हैं। भावनाओं और बुद्धि का समन्वय विद्यार्थियों पर भी प्रभाव डालता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट कक्षायें और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है, स्मार्ट शिक्षक। उन्होंने कहा कि स्मार्ट शिक्षक वे शिक्षक होते हैं जो अपने विद्यार्थियों के विकास की आवश्यकताओं को समझते हैं। स्मार्ट शिक्षक स्नेह और संवेदनशीलता के साथ अध्ययन की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाते हैं। ऐसे शिक्षक छात्रों को समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। बालिकाओं की शिक्षा में निवेश करके, हम अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में एक अमूल्य निवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को सर्वोत्तम संभव शिक्षा प्रदान करना महिला-नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विस्तार और वंचित वर्ग की बालिकाओं को विशेष शिक्षा सुविधायें प्रदान करने पर ज़ोर देती है, लेकिन शिक्षा से जुड़ी किसी भी पहल की सफलता मुख्यतः शिक्षकों पर निर्भर करती है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बालिकाओं की शिक्षा में जितना अधिक योगदान देंगे, शिक्षक के रूप में उनका जीवन उतना ही सार्थक होगा। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बालिकाओं सहित उन सभी विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें, जो अपेक्षाकृत शर्मीले हैं, या कम सुविधा प्राप्त पृष्ठभूमि से आते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। उन्होंने कहा, ÷इसके लिए हमारे शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए। हमारे संस्थानों और शिक्षकों को शिक्षा के तीनों क्षेत्रों - स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल शिक्षा - में सक्रिय रूप से योगदान देना होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारे शिक्षक अपने महत्वपूर्ण योगदान से भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे।÷

प्रधानमंत्री ने ओणम और मिलाद-उन-नबी पर देशवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली। नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओणम के पर्व और मिलाद-उन-नबी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि ओणम का त्योहार एकता, आशा और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह त्योहार सभी के लिए नई खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और प्रचुर समृद्धि लेकर आए। ओणम केरल की कालातीत विरासत और समृद्ध

परंपराओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह अवसर हमारे समाज में सद्भाव की भावना को मजबूत करे और प्रकृति के साथ हमारे संबंध को और गहरा करे। केरल में नई फसल की खुशी में ओणम उत्सव मनाया जाता है। एक अन्य एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि मिलाद-उन-नबी का पर्व इस्लाम के संस्थापक पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर मनाया जाता है। उन्होंने कहा, यह पवित्र दिन हमारे समाज में शांति और खुशहाली लाए। करुणा, सेवा और न्याय के मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करें। ईद मुबारक।

नालों की सफाई नहीं कराने पर बने बाढ जैसे हालात: केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने डिसिल्टिंग नहीं कराई जिससे दिल्लीवालों को बारिश के बाद तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। केजरीवाल ने शुक्रवार को यहां शास्त्री पार्क में दिल्ली सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए लगाए गए राहत कैंपों का दौरा कर कहा कि दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। तमाम इलाकों में पानी भर गया है। लोग अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इन शिविरों में भी तमाम परेशानियां हैं, खाने और पानी तक का ठीक इंतजाम नहीं है। लोग बारिश के नीचे रात गुजराने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो गया है, क्योंकि

भाजपा सरकार ने डिसिल्टिंग नहीं कराई थी। इसलिए दिल्लीवालों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर भारत के तमाम हिस्सों में भारी बारिश की वजह से तबाही हो रही है। केंद्र सरकार ने जैसे भूकंप प्रभावित अफगानिस्तान के लिए राहत सामग्री भेजी, वैसे ही सरकार को इन राज्यों की ओर भी ध्यान देना चाहिए। केजरीवाल ने कहा , ÷हम समझ सकते हैं, यह कुदरत का कहर है लेकिन ऐसे समय में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गरीबों और दूसरे नागरिकों के लिए सारे जरूरी इंतजाम करे। हमारा दिल्ली की भाजपा सरकार से निवेदन है कि जिन राहत शिविरों में गरीब लोग रहने को मजबूर हैं, वहां सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। उन्होंने आगे कहा, इस समय जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड सहित पूरा उत्तर भारत बाढ़ की चपेट में है। हम केंद्र सरकार से भी निवेदन करते हैं कि जनता को राहत पहुंचाने के लिए जितना बन सके, उतना काम करे। केंद्र सरकार ने हाल ही में अफगानिस्तान में भूकंप के लिए राहत सामग्री भेजी थी, जो बहुत अच्छी बात है। पूरी दुनिया में कहीं भी आपदा आए, तो इंसानियत के नाते हमें मदद भेजनी चाहिए।

गुरूकुल कांगड़ी की पहली महिला कुलपति प्रो हेमलता का सम्मान, इतिहास में दर्ज नया कीर्तिमान

कार्यवाहक कुलपति प्रो. हेमलता ने संभाला दायित्व, संघर्ष को बताया सत्य की जीत

नवीन चौहान, पथ प्रवाह

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय शुक्रवार को एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना। माननीय उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश के बाद प्रोफेसर डॉ. हेमलता ने एक बार फिर कार्यवाहक कुलपति का कार्यभार संभाला। खास बात यह रही कि यह अवसर शिक्षक दिवस के दिन आया, जिसने पूरे परिसर के माहौल को और अधिक भावुक और उत्सवपूर्ण बना दिया। सभी कर्मचारियों ने 60 दिनों के आंदोलन के क्षणों का स्मरण करते हुए उत्साह के पलों में तब्दील किया।

कुलपति प्रोफेसर हेमलता का विश्वविद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों और कर्मचारियों ने फूल-मालाओं के साथ उनका स्वागत किया और शिक्षक दिवस की शुभकामनाओं के बीच पुनः दायित्व संभालने पर बधाई दी। कर्मचारियों ने मिठाई खिलाकर उनको जीत की बधाई दी।

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं卐 – प्रो. हेमलता

पथ प्रवाह संवाददाता नवीन चौहान से विशेष बातचीत में कार्यवाहक कुलपति प्रो. हेमलता ने कहा कि ÷जीत हमेशा सत्य की होती है। न्यायालय से न्याय मिलने के बाद हम फिर से कर्मचारियों और छात्रों के बीच हैं। दुर्भाग्य यह रहा कि एडमिशन प्रक्रिया के दौरान विश्वविद्यालय विवादों में घिरा, जिसका असर शैक्षिक माहौल पर पड़ा। लेकिन अब हमारा लक्ष्य इसे विश्वविख्यात संस्थान बनाना है।÷

उन्होंने कहा कि महिला डीन को विभागों से हटाना गलत था। अब उनकी प्राथमिकता शिक्षा की गुणवत्ता, कर्मचारियों का हित और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य पर होगी।

कर्मचारियों से भावुक मुलाकात

प्रो. हेमलता ने धरना स्थल पर आंदोलनरत कर्मचारियों से भी भेंट की। नम आंखों से उन्होंने कर्मचारियों का आभार जताते हुए कहा कि यह संघर्ष और न्याय की जीत है।

मैं कर्मचारियों का अहित नहीं होने दूंगी। निजी स्वार्थ के लिए यदि किसी ने किसी को परेशान किया तो उसका विरोध होगा। मैं अकेले न्यायालय तक पहुंची, पर जीत सबकी हुई है।

श्रद्धानंद का सपना साकार करने का संकल्प

प्रो. हेमलता ने स्पष्ट कहा कि वह स्वामी श्रद्धानंद के सपनों का गुरुकुल बनाने आई हैं। ÷मेरा सपना है कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय विश्वभर में अपनी अलग पहचान बनाए। यहां से पढ़े छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की कीर्ति को चारों ओर फैलाएं। ड्रोन लैब जैसे नए प्रोजेक्ट हमारी उपलब्धियों की शुरुआत हैं। आने वाले समय में और भी बड़े प्रोजेक्ट लाकर विश्वविद्यालय को शीर्ष पर ले जाएंगे।÷

गौरव पुनः स्थापित करने का लक्ष्य

प्रोफेसर हेमलता ने कहा कि वह यहां विश्वविद्यालय के गौरव को पुनः स्थापित करने आई हैं - मैं आराम करने नहीं, बल्कि पूरी शिद्दत से काम करने आई हूं। अनुशासन, आदर्श और शिक्षा मंत्रालय के नियमों के अनुरूप कार्य होगा। हम सब मिलकर गुरुकुल का स्वाभिमान और सम्मान बनाए रखेंगे।÷

उत्सव का माहौल

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की पुण्य भूमि में शिक्षक दिवस का यह दिन इतिहास में महिला कुलपति प्रोफेसर हेमलता के सम्मान की जीत में स्मरण रहेगा।

आदर्श और अनुशासन और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए पहली महिला कुलपति प्रोफेसर हेमलता उच्च न्यायालय तक पहुंची। उन्होंने न केवल अपने शिक्षकों का सम्मान किया, बल्कि गुरूकुल के गौरव को बचाने के लिए भी संघर्ष किया।

महिला कुलपति प्रो. हेमलता की गुरूकुल कांगड़ी में वापसी के साथ ही संघर्ष, न्याय और नए संकल्प की गूंज भी सुनाई दे रही है। अब सभी की निगाहें इस ओर हैं कि प्रो. हेमलता विश्वविद्यालय को किस ऊंचाई तक ले जाती हैं।

कर्मचारियों ने दिखाया अनुशासन

गुरूकुल कांगड़ी में इस जीत के जश्न में अनुशासन साफ नजर आया। रजनीश भारद्धाज ने कुलपति प्रोफेसर हेमलता का स्वागत किया।

नरेंद्र मलिक ने पैर छूकर आशीर्वाद लिया। किसी कर्मचारी ने मां का दर्जा दिया तो किसी कर्मचारी ने अपनी बड़ी बहन के रूप में उनको सम्मान दिया। कर्मचारियों के इस प्रेम को देखकर कुलपति प्रोफेसर हेमलता अभिभूत नजर आई।

उनकी आंखे नम थी और शब्दों में कर्मचारियों के लिए आभार था।

जीएसटी छूट से हरिद्वार की गृहणियों को मिलेगी राहत : रंजना चतुर्वेदी

आर्थिक तौर पर महिलाएं होंगी मजबूत, पीएम मोदी का जताया आभार

नवीन चौहान, हरिद्वार

गृहणियों को राहतः केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी में दी गई छूट से हरिद्वार की गृहणियों और महिला उद्यमियों को बड़ी राहत मिलेगी। भाजपा महिला मोर्चा हरिद्वार की जिलाध्यक्ष रंजना चतुर्वेदी ने कहा कि रसोई से जुड़े सामान सस्ते होंगे, जिससे परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा– हरिद्वार की गृहणियां और महिलाएं इस फैसले से सीधा लाभ पाएंगी। यह केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

महिला उद्यमियों को लाभ

रंजना चतुर्वेदी ने कहा कि छोटे टर्नओवर वाले असंगठित व्यवसायों के लिए कर फाइलिंग प्रक्रिया आसान हुई है। अब ?1.5 करोड़ तक के कारोबार वाली महिला उद्यमी संरचना योजना का लाभ उठाकर कम जीएसटी दर पर कारोबार कर सकती हैं।

डिजिटल लेन-देन से आय घोषित करने वाली महिला उद्यमियों को भी राहत मिलेगी। उन्हें 8% की जगह केवल 6% कर देना होगा। वहीं, टर्नओवर सीमा 3 करोड़ तक बढ़ने से छोटे व्यवसायों को विस्तार का अवसर मिलेगा।

रसोई और स्वास्थ्य पर असर

उन्होंने कहा कि दूध, रोटी, पराठा, छेना और कई खाद्य पदार्थ जीएसटी-मुक्त हो गए हैं। इससे परिवार के मासिक बजट पर सकारात्मक असर पड़ेगा। अब व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर भी जीएसटी नहीं लगेगा। इससे ज्यादा लोग बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे। साथ ही, 33 जीवन रक्षक दवाएं भी कर-मुक्त हो चुकी हैं।

अन्य सेवाएं भी सस्ती

जिम, योग केंद्र और सेहत से जुड़ी सेवाओं पर जीएसटी दर 18% से घटाकर 5% कर दी गई है। रंजना चतुर्वेदी ने कहा कि इन फैसलों से न सिर्फ शहर, बल्कि हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को भी फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है।

रानीपुर विधायक के प्रस्ताव पर स्वीकृत हुए 47.56 करोड़ के विकास कार्य, क्षेत्र को मिला तोहफा

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार, रानीपुर विधानसभा में विकास कार्यों के लिए जो प्रस्ताव विधायक आदेश चौहान ने शासन को दिये थे उनमें से 47.56 करोड़ के विकास कार्य स्वीकृत हो गए हैं। ये विकास कार्य कुम्भ निधि और राज्य योजना से स्वीकृत हुए हैं। इसके लिए विधायक आदेश चौहान मुख्मंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। शासन ने हरिद्वार जिले की बी.एच.ई.एल रानीपुर विधानसभा में राज्य योजना के अन्तर्गत सड़क निर्माण के तीन कार्यों के लिए 225.35 लाख रुपये की वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिसका जीओ जारी कर दिया गया है। सरकार ने सड़क निर्माण के लिए 30 हजार रुपये की टोकन राशि भी जारी कर दी है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान के प्रस्ताव पर राज्य योजना से विधानसभा के अंतर्गत 54.12 लाख रुपए की लागत से सीतापुर रेलवे फाटक से गणेश विहार तक 0.75 किमी मार्ग का बीसी तथा नाली निर्माण द्वारा सुधारीकरण कार्य, 45.79 लाख रुपए लागत से भेल सेक्टर 3 वाले तिराहे से पीएसी गेट होते हुए बैरियर नंबर 8 सुभाष नगर तक 1.14 किमी मोटर मार्ग सुधारीकरण कार्य एवं 125.44 लाख रुपए लागत से महादेवपुरम की 1.11 किमी आंतरिक सड़कों का इंटरलॉकिंग टाइल्स द्वारा निर्माण कार्य किया जाना है। योजना के अन्तर्गत कुल लगभग 3 किमी सड़क नाली निर्माण किया जाना है। इन तीनों निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित किया है। उक्त सड़को की टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर जल्द ही निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

कुंभ निधि से 45.31 करोड़ के कार्यों की स्वीकृति

इससे पूर्व रानीपुर विधायक के प्रस्ताव पर कुंभ निधि से भी लगभग 45.31 करोड़ रुपए के 4 स्थाई निर्माण कार्यों की स्वीकृति हो चुकी है। जिससे रानीपुर विधानसभा की बड़ी आबादी लाभान्वित होगी। जिसमें 12.56 करोड रुपए की लागत से बहादराबाद सिडकुल फोरलेन मार्ग भाई चारा ढाबा से बैरियर नंबर 6 होते हुए शिवालिक नगर चौक बीएचईएल मध्य मार्ग तक का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य, 9.5 करोड़ रुपए लागत से सुभाष नगर पीएसी होते हुए शिवालिक नगर मार्ग पर रानीपुर रोह नदी पर आरसीसी सेतु का नव निर्माण कार्य,6.59 करोड़ की लागत से धनौरी-सिडकुल लिंक मार्ग की मरम्मत का कार्य एवं 16.66 करोड रुपए लागत से धनौरी-सिडकुल लिंक मार्ग पर पथरी रौ नदी के पुरानी गंग नहर पर स्पान पुल का निर्माण कार्य शामिल है। इसमें कुछ कार्यो की निविदा भी आमंत्रित की जा चुकी है।

विधायक ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

सरकार द्वारा विकास कार्यों की स्वीकृति पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को धन्यवाद देते हुए आभार जताया है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रदेश के लिए विकासपरक सोच से ही विकास कार्य धरातल पर तेजी से आ रहे हैं। क्षेत्र का विकास सरकार की प्राथमिकता है सरकार की विभिन्न योजनाओं से पूरे विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य प्रगति पर हैं। भाजपा शासन काल में रानीपुर विधानसभा में विकास की नई गाथा लिखी है। उक्त कार्यों की टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर समयबद्ध पूरा कर दिया जाएगा।

एक नजर

कोतवाली ज्वालापुरः कार से गांजे की तस्करी रहे एक तस्कर को पकड़ा

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार, नशा तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में ANTF व ज्वालापुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। संयुक्त टीम ने स्विफ्ट डिजायर कार से गांजे की तस्करी करते हुए एक अभियुक्त को पकड़ा है। उसके पास से 20 किलो से अधिक अवैध गांजा बरामद हुआ है। कार को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन को सफल बनाने के लिए एसएसपी हरिद्वार के कुशल नेतृत्व में काम करते हुए हरिद्वार पुलिस बड़ी सफलता हासिल कर रही है। कोतवाली ज्वालापुर व हृ्ञस्न की संयुक्त टीम द्वारा थाना ज्वालापुर क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर ट्रांसपोर्ट नगर सराय रोड ज्वालापुर से एक व्यक्ति मोनू शर्मा को गिरफ्तार किया है। मोनू मूल रूप से रामपुरी थाना सिविल लाईन मुजफ्फरनगर का रहने वाला है हाल निवासी देवपुरा कालोनी जगजीतपुर थाना कनखल का है। पूछताछ में अभियुक्त मोनू शर्मा ने बताया कि इस कार का मालिक रोहित धीमान जो मुजफ्फरनगर का रहने वाला है उसने मुझ यह कार भांडे पर चलाने के लिए दी गयी है। बरामद अवैध गांजे के सम्बन्ध में अभियुक्त से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

घर के सामने खाली प्लॉट में कर रहा था गोकशी, दो महिला समेत तीन गिरफ्तार

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार, जनपद पुलिस गोकशी करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में कोतवाली गंगनहर पुलिस ने गौ मांस समेत दो महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल कई अभियुक्त पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने करीब 950 किलो गौमांस और गोकशी के उपकरण बरामद किये हैं। मौके से एक जीवित पशु भी बरामद किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद हरिद्वार में गोकशी व अवैध पशु तस्करी करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंग नहर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम सफरपुर में गुलशेर अपने घर के सामने अपने परिवार व अन्य 7-8 लोगों के साथ गौकशी कर रहा है।

'स्वागत क्लस्टर लेवल फेडरेशन' का विजन 0.3 प्रशिक्षण

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (हृत्र्रूरू) के अंतर्गत गठित स्वागत क्लस्टर लेवल फेडरेशन (ष्टरुस्न) का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। यह प्रशिक्षण सरस केंद्र, जमालपुर कलां में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ष्टरुस्न को भविष्य के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता का निरीक्षण करने के लिए परियोजना निदेशक, डीआरडीए, कैलाश नाथ तिवारी शिविर में पहुँचे। उन्होंने मास्टर ट्रेनर कैलाश कांडारी (बीएमएम, भगवानपुर) से प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली और प्रशिक्षण में शामिल महिलाओं से उनके अनुभव भी पूछे।

परियोजना निदेशक ने ÷विजन÷ के उद्देश्य को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने बताया कि विजन का अर्थ भविष्य के लिए एक रोडमैप तैयार करना है। एक सशक्त ष्टरुस्न की जिम्मेदारी है कि वह ईमानदारी और अनुशासन के साथ कमजोर वर्ग की महिलाओं की मदद करे और उन्हें आजीविका के समान अवसर प्रदान करे। उन्होंने यह भी बताया कि योजना के तहत उपलब्ध धनराशि से प्राथमिकता के आधार पर उद्यम स्थापित करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। यह बताया गया कि ष्टरुस्न की भूमिका सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं (जैसे महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, समाज कल्याण और कौशल विकास) का लाभ समूह की महिलाओं तक पहुँचाने में मदद करना है।

प्रशिक्षण में 'लखपति दीदी' योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। ष्टरुस्न को लखपति दीदियों की आय की निरंतरता बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों से मदद हेतु आवेदन उपलब्ध कराने के लिए कहा गया। साथ ही, महिलाओं को अपनी आय बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर प्रस्तावित 'लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम' पर भी बात की गई। इस प्रशिक्षण शिविर में मास्टर ट्रेनर के अलावा अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

हरिद्वार बस अड्डा शिफ्ट करने की तैयारी पर व्यापारियों में आक्रोश, यात्रियों की सुविधा पर उठे सवाल

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार के दशकों पुराने रोडवेज बस अड्डे को नए स्थान पर शिफ्ट करने की कवायद ने शहर के व्यापारियों और होटल कारोबारियों में नाराज़गी पैदा कर दी है। उनका कहना है कि यह कदम तीर्थयात्रियों और आम यात्रियों के लिए भारी असुविधा का कारण बनेगा। व्यापारी गगन मान ने कहा कि हरिद्वार में आने वाले तीर्थयात्रियों का पहला पड़ाव हरकी पैड़ी और मां मंसा देवी, चंडी देवी व माया देवी मंदिर होते हैं। यदि बस अड्डा रेलवे स्टेशन से दूर शिफ्ट किया गया तो श्रद्धालुओं को सीधे दर्शन के लिए पहुंचने में भारी परेशानी होगी। व्यवसायी रिक्कल अरोड़ा ने कहा कि हरिद्वार में सैकड़ों होटल, धर्मशालाएं और आश्रम हैं, जहां देश-विदेश से आने वाले यात्री ठहरते हैं। ÷बस अड्डे को दूसरी जगह ले जाने से होटल कारोबार पर सीधा असर पड़ेगा। होटल कारोबारी भूपेंद्र अरोड़ा ने चिंता जताते हुए कहा कि केवल तीर्थयात्रियों ही नहीं बल्कि गढ़वाल मंडल के पहाड़ी क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों को भी मुश्किलें होंगी। इसी क्रम में गुरुप्रीत अरोड़ा ने कहा, हरिद्वार की पहचान यात्रियों और भक्तों से है। उनकी सुविधा सर्वोपरि होनी चाहिए। सरकार को तीर्थयात्रियों की भावनाओं को देखते हुए बस अड्डे को हटाने का निर्णय नहीं लेना चाहिए। व्यापारियों ने सरकार को सुझाव दिया कि बस अड्डे को शिफ्ट करने के बजाय उसका आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण किया जाए। ताकि शहर के हृदय स्थल पर स्थित यह बस अड्डा और अधिक खूबसूरत व सुविधाजनक बन सके।

प्रशासन का पक्ष

इस पूरे मामले पर हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण (HRDA) के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह का कहना है कि मास्टर प्लान के तहत शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाने और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बस अड्डे को नए स्थान पर शिफ्ट करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, बस अड्डा शिफ्ट करने से शहर के मुख्य मार्गों पर जाम की समस्या कम होगी और तीर्थयात्रियों को सुरक्षित एवं बेहतर यातायात व्यवस्था मिलेगी। हालांकि अंतिम निर्णय जनता की राय और सुविधा को ध्यान में रखकर ही लिया जाएगा।

प्रधानाचार्य पूनम राणा ने बदली राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की तस्वीर

पथ प्रवाह संवाददाता

हरिद्वार, एक शिक्षक का सपना सिर्फ यही होता है कि उसके द्वारा शिक्षित किए गए छात्र-छात्राएं एक बड़ा मुकाम हासिल करें। इस सपने को साकार करने के लिए एक बड़ी भूमिका निभाई है हरिद्वार के सरकारी स्कूल की प्रधानाचार्य पूनम राणा ने।

गढ़वाल मंडल के सबसे ज्यादा बालिका संख्या वाले पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की तस्वीर प्रधानाचार्य पूनम राणा के प्रयास से तस्वीर बदल चुकी है। इस कॉलेज में वर्तमान में 1700 से ज्यादा छात्राएं इंटर कॉलेज में अध्ययनरत है। इंटर कॉलेज में स्मार्ट क्लासेस से लेकर छात्रों को डिजिटल तरीके से पढ़ाया जा रहा है। कॉलेज में 6 स्मार्ट क्लासेस, डिजिटल एजुकेशन, डिजिटल लैब, वाई-फाई सुविधा, कंप्यूटर शिक्षा दी जा रही है। वेस्ट मटेरियल से छात्राएं अलग-अलग उपयोगी सामान के साथ-साथ घर में लगने वाली सुंदर पेंटिंग्स, अन्य वस्तुएं बना रही हैं। टिंकरिंग लैब में छात्रों को नवाचार, रचनात्मकता और समस्या-समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। इन प्रयोगशालाओं में 3ष्ठ प्रिंटर, रोबोटिक्स किट, और सर्किट निर्माण सामग्री जैसे विभिन्न उपकरणों का उपयोग करके मॉडल तैयार कर रही हैं। इसमें दो बार छात्रों के ग्रुप को राज्यपाल द्वारा पुरस्कार भी मिल चुका है। सरकारी योजनाओं में पास आउट होने वाली छात्राओं को कन्या गोरा धन के रूप में उनको 51000 रुपये की एफडी दी जा रही हैं।

संपादकीय

ट्रंप के सपनों की सौदेबाज़ी और हकीकत की चुनौतियाँ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा से ही राजनीति और सत्ता को कारोबार और सौदेबाज़ी की नज़र से देखते और उसी के लिहाज से फैसले लेते रहे हैं। यही वजह है कि वे आज अपने ही देश में घिरते नजर आ रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर बढ़ती नाराज़गी और मीडिया की आलोचना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या ट्रंप राष्ट्रीय नीति चला रहे हैं या अपने निजी कारोबारी सपनों की इमारत खड़ी करने में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं। नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं से उनकी निकटता को भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि इन रिश्तों के सहारे वे अमेरिका के साथ-साथ अपने निजी कारोबारी हितों को भी मज़बूती दे सकते हैं। इससे हटकर यदि जमीनी सत्यता को सामने रखकर बात की जाए तो नेतन्याहू और मोदी की राजनीति अपने-अपने घरेलू संकटों से उलझी हुई नजर आती है। ऐसे में इन पर अत्याधिक भरोसा करना न केवल अमेरिका की विदेश नीति को कमजोर करने वाला फैसला साबित हो सकता है, बल्कि ट्रंप की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को भी बोझ बना सकता है। यही नहीं बल्कि गाजा में ट्रंप सिटी को दुबई की तरह बनाने का राष्ट्रपति ट्रंप का सपना भी इसी अवास्तविक सोच का हिस्सा है। दुबई का विकास मॉडल स्थिरता, निवेश और खुली नीतियों की बुनियाद पर खड़ा हुआ, जबकि गाजा आज भी संघर्ष, आतंक और अस्थिरता का प्रतीक है। जब तक शांति और भरोसे का माहौल नहीं बनेगा, तब तक वहां किसी भी विकास की कल्पना करना खोखली बयानबाज़ी ही साबित होगी।

भारत और पाकिस्तान के मामले में भी राष्ट्रपति ट्रंप ने कारोबार का चश्मा पहन रखा है। वे मानते हैं कि पीएम मोदी के जरिए दोनों देशों में व्यापारिक अवसर तलाशे जा सकते हैं। लेकिन दशकों से चले आ रहे अविश्वास, कश्मीर विवाद और सीमा पार आतंकवाद ने इस संभावना को लगभग असंभव बना दिया है। भारत निवेश और विकास का केंद्र है, जबकि पाकिस्तान अभी भी राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। दोनों को एक ही तराजू पर तौलना गंभीर रणनीतिक भूल होगी। ऐसे में ट्रंप का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना और रुस से तेल खरीदी न करने के लिए दबाव बनाना कहीं न कहीं रिश्तों में खटास पैदा करने जैसा कदम ही है। यह वह दौर है जबकि वैश्विक स्तर पर किसी भी निर्णय को एकतरफा नहीं लिया जा सकता है, देश की नीतियों और उसके प्रभाव को सामने रखना ही होता है। ऐसे में अब असल चुनौती यही है कि ट्रंप हर मुद्दे को ÷डील÷ के रूप में देखते हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति सौदों और निजी महत्वाकांक्षाओं से कहीं गहरी है। इसमें भरोसा, स्थिरता और संतुलित दृष्टिकोण की ज़रूरत होती है। ट्रंप के सपनों की सूची लंबी है, अमेरिका में अपनों से घिरे होने की मजबूरी भी है, नेतन्याहू और मोदी पर टिका निजी कारोबार, गाज़ा को दुबई बनाने की कल्पना और भारत-पाकिस्तान में कारोबार का ख्वाब, यह सब काग़ज़ी दुनियां में सुंदर लग सकते हैं, पर वास्तविकता में बेहद कमजोर और विरोधाभासी हैं। दुनिया को आज ऐसे नेताओं की ज़रूरत है जो रिश्तों को व्यापारिक बोली में नहीं, बल्कि शांति और मानवता के आधार पर परिभाषित करें। वरना ट्रंप जैसे सपनों के सौदागर अंततः अपने ही जाल में उलझने वाले ही हैं।

भारत का जीएसटी सुधार 2025 -टैक्स ढांचे का पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्संरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन आसान होगा।यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है।

साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब पर केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट- 0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो,नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं। (1)डेयरी प्रोडक्ट्स = दूध, पनीर, दही, घी और पोषण संबंधी उत्पादों पर टैक्स संरचना सरल होने से कीमतें स्थिर रहेंगी। इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। (2)बीमा क्षेत्र- स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर बीमा प्रीमियम पर 0पर्सेंट टैक्स लागू होने से उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम लागत कम हो सकती है। इससे जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी बढ़ेगी। (3)निर्माण और आवास-घर बनाने के लिए आवश्यक सीमेंट, स्टील, टाइल्स और सेवाओं पर कर भार कम होने से घर की लागत घटेगी। यह मध्यम वर्ग और रियल एस्टेट उद्योग दोनों के लिए लाभकारी है (4) इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र,मोबाइल, लैपटॉप और घरेलू उपकरणों की कीमतें स्थिर होने से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। (5) मेडिकल और पोषण क्षेत्र -जीवन रक्षक दवाओं को 0% स्लैब और अन्य चिकित्सा उपकरणों को 5 पर्सेंट-18 पर्सेंट स्लैब में रखने से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।(6) एमएसएमई और बड़े उद्योग- सरल टैक्स स्लैब से छोटे और मझोले उद्योगों को अनुपालन लागत कम होगी, जबकि बड़े उद्योगों को उत्पादन और निर्यात बढ़ाने में बहुत विशाल सहूलियत होगी।

साथियों बात अगर हम जीएसटी रिफॉर्म करने का सरकार का मकसद और आम आदमी का फायदा होने की करें तो,जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा मकसद है, (1) गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देना। नई दरों से- गरीब तबके को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब से सस्ते में भोजन और दवाइयां मिलेंगी, (2) घर बनाने वालों को कम खर्च आएगा,(3) बीमा सस्ता होगा, (4) स्वास्थ्य सेवाएं किफायती होंगी, (5) छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी,(6) और महंगाई का दबाव घटेगासरकार यह संदेश देना चाहती है कि टैक्स नीति सिर्फ राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा का भी सशक्त औजार है। साथियों बात अगर हम टैक्स के स्लैब में परिवर्तन करने से क़रीब 85000 करोड़ का घाटा और भरपाई के उपायों को समझने की करें तो, सरकार का अनुमान है कि दरें घटाने और कई वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डालने से उसे लगभग 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन इसकी भरपाई के लिए बड़े उपाय किए गए हैं, 40 पर्सेंट स्लिप से रिकवरी-टैक्स अनुपालन बढ़ने, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से टैक्स चोरी में कमी आएगी और इससे राजस्व की बड़ी मात्रा में भरपाई होगी।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी टैरिफ और भारत की रणनीति को समझने की करें तो, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के खिलाफ टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए हैं। इस पृष्ठभूमि में जीएसटी सुधार भारत की आंतरिक ताकत को बढ़ाने का जरिया है। (1) सरल टैक्स ढांचा विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगा। (2) घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाएगा।(3)निर्यात लागत कम होने से अमेरिका और यूरोप के टैरिफ का दबाव कम महसूस होगा।यह सुधार संकेत देता है कि भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

साथियों बातें अगर हम जीएसटी सुधारो के पीछे संभव होता है राजनीतिक विमर्श,राहत या सियासत? की करें तो, जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तब सरकार ने इसे ÷वन नेशन, वन टैक्स÷ कहकर ऐतिहासिक बताया था और तर्क दिया था कि उच्च दरें राजस्व जुटाने के लिए जरूरी हैं। अब 2025 में दरें घटाने पर वही सरकार कह रही है कि, इससे उपभोक्ताओं को राहत और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। अब सवाल उठता है, क्या यह आर्थिक विवशता है या राजनीतिक रणनीति?दरअसल, यह दोनों का मिश्रण है। वैश्विक मंदी, अमेरिकी दबाव और घरेलू महंगाई ने सरकार को दरें घटाने पर मजबूर किया। साथ ही, यह कदम गरीबों, मध्यम वर्ग और छोटे उद्योगों को चुनावी वर्ष में राहत देने की रणनीति भी हो सकता है। साथियों बात अगर हम जीएसटी सुधारो को सामाजिक दृष्टिकोण, जैसे घर के बड़े समझाते हैं थ्योरी को समझने की करें तो, अगर इस सुधार को सामाजिक रूप से समझा जाए तो यह बिल्कुल वैसा है जैसे घर के बड़े सदस्य बच्चों को जीवन जीने का तरीका बताते हैं (1) भोजन और स्वास्थ्य सबसे पहले-इसलिए खाद्यान्न और दवाइयां 0% स्लैब में।(2)स्वास्थ्य का ध्यान रखो- इसलिए मेडिकल और बीमा क्षेत्र सस्ता।

उम्मीदों की चीप से हौसलों की उड़ान भरता

ललित गर्ग

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढ़ेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे ÷विक्रम÷ नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है।

अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। ÷विक्रम÷ माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है। निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वदेशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं। 32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं, जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं बल्कि उसका सर्जक भी है। सूक्ष्म-संगणक की यह अभिकल्पना केवल एक चिप का निर्माण नहीं है, यह भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा, उसकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास का परिचायक है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने किया ''हैलो हल्द्वानी 91.2 एफ.एम. सामुदायिक रेडियो मोबाइल एप'' का लोकार्पण

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से च्च्हैलो हल्द्वानी 91.2 एफ.एम. सामुदायिक रेडियो मोबाइल एप'' का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह पहल उत्तराखंड के शिक्षा और संस्कृति क्षेत्र में नई दिशा प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षा को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाने और तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि च्च्हैलो हल्द्वानी एप'' अब प्रदेश और देश के हर कोने तक पहुँचकर समाज और संस्कृति की आवाज़ को और अधिक सशक्त करेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने और आत्मनिर्भरता का आधार है। इसी सोच के तहत प्रदेश के सभी 13 जनपदों में उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों से युवाओं को न केवल शिक्षा मिलेगी, बल्कि रोजगारपरक कौशल भी सिखाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जब विश्वविद्यालय और कौशल विकास केंद्र मिलकर काम करेंगे तो उत्तराखंड के युवा नौकरी खोजने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनेंगे। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि राज्य सरकार ने देहरादून में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का एक प्रमुख केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह केंद्र शिक्षा और प्रशिक्षण का हब होने के साथ-साथ शोध, नवाचार और डिजिटल शिक्षा का भी प्रमुख केंद्र बनेगा।

विश्वविद्यालय की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में सहयोग

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही, विश्वविद्यालय की ओर से आपदा राहत हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 लाख 49 हजार का चेक मुख्यमंत्री को प्रदान किया गया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत, कुलसचिव श्री खेमराज भट्ट सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ये खूबियां हैलो हल्द्वानी

- सामुदायिक रेडियो और मोबाइल एप का संयोजन
- दूरस्थ क्षेत्रों तक शिक्षा और संस्कृति का प्रसार
- शैक्षिक कार्यक्रम, लोक संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर आधारित प्रसारण
- मोबाइल एप के ज़रिए देश-विदेश से जुड़ने की सुविधा
- युवाओं, विद्यार्थियों और आम जनता के लिए सुलभ मंच

शिक्षक दिवस पर डॉ. डी.सी. पसबोला को मिला शिक्षक रत्न सम्मान

पथ प्रवाह, देहरादून

योग, ध्यान और आयुर्वेद में उल्लेखनीय योगदान का सम्मान

द फेयर विजन फाउंडेशन, महानगर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर हॉलिस्टिक हैल्थ एंड वैलनैस कोच, योग एवं ध्यान एक्सपर्ट डॉ. (प्रो.) डी.सी. पसबोला को शिक्षक रत्न सम्मान 2025 प्रदान किया गया।

डॉ. पसबोला वर्तमान में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, देहरादून में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वे एक अनुभवी चिकित्सक होने के साथ-साथ एनसीडी रिवर्सल एक्सपर्ट भी हैं।

21 वर्षों का अनुभव और जन-जागरूकता की पहल

डॉ. पसबोला को राजकीय सेवा का 21 वर्षों का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने निरंतर आयुर्वेद, योग और ध्यान के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने का कार्य किया है। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य, ध्यान और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

> आयुर्वेद, योग और ध्यान केवल चिकित्सा पद्धतियां नहीं, बल्कि एक जीवनशैली हैं। यदि हम इन्हें अपनाएं तो स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है।
>
> – डॉ. (प्रो.) डी.सी. पसबोला

यश कोचिंग संस्थान गोचर द्वारा शिक्षक सम्मान

पथ प्रवाह, संदीप बर्तवाल

गोचर। यश कोचिंग संस्थान गोचर की ओर से 5 सितम्बर शिक्षक दिवस के अवसर पर कल्याण सिंह चौधरी, शिक्षक राजकीय जूनियर हाई स्कूल सूगी करछुना को ÷शिक्षक सम्मान÷ से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के ओनर महावीर नेगी का विशेष आभार व्यक्त किया गया। सम्मानित शिक्षक ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणास्रोत है और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की ऊर्जा प्रदान करेगा। गौरतलब है कि वर्ष 2022 और 2025 में भी उन्हें खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान प्रदान किया जा चुका है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की। इनमें विमला देवी (प्रधान, सूगी), विक्रम सिंह नेगी (प्रधान, करछुना), विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष विनोद कोहली, प्रधानाध्यापक वेद प्रकाश भट्ट और लक्ष्मण खत्री (उपाध्यक्ष, जिला पंचायत चमोली) शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने सम्मानित शिक्षक के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पड़ोसियों के साथ सीमा विवाद बड़ी चुनौती:सीडीएस

गोरखपुर। गोरखपुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि भूमि राष्ट्र की भौतिक पहचान है। राष्ट्र की विचारधारा की सुरक्षा भी जरूरी है। एक राष्ट्र के संचालन के लिए विचारधारा उतनी ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए खून। यह प्रशासनिक ढांचे को मजबूती देती है। जनरल चौहान ने कहा कि दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस है। सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। आजादी के बाद से सीमा विवाद को लेकर कई लड़ाइयां हुईं। चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। फिर क्षेत्रीय अस्थिरता।

शुक्रवार को जनरल चौहान गोरखनाथ मंदिर में आयोजित भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषय पर आयोजित सेमिनार पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने ये बातें कहीं। इस दौरान सीएम योगी भी उनके साथ रहे। ये सेमिनार महंत दिग्विजयनाथ महाराज और अवैद्यनाथ महाराज की पुण्यतिथि पर हर साल आयोजित किया जाता है। चौहान ने कहा कि देश में चार तरह के खतरे होते हैं। आतंरिक खतरे। बाहरी खतरे। बाहरी सहयोग से उत्पन्न आतंरिक खतरे और आंतरिक सहयोग से उत्पन्न आतंरिक खतरे। मेरा मानना है कि किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा तीन स्तर पर देख सकते हैं। तीन घेरे के रूप में। सबसे छोटा घेरा सैनिक तत्परता, उससे बड़ा घेरा राष्ट्रीय सुरक्षा और सबसे बड़ा घेरा राष्ट्र सुरक्षा है। ये तीनों घेरे एक साथ मिलकर काम करते हैं। सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। इसे रक्षा अनुसंधान (रिसर्च) से भी जोड़ना चाहिए। भविष्य में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी की जरूरत पड़ सकती है।

युद्ध राजनीति का ही विस्तार है

चौहान ने कहा कि जर्मन विद्वान ने कहा था कि युद्ध राजनीति का ही विस्तार है। इसके गहरे निष्कर्ष हैं। युद्ध और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

एक नजर

एम्स नई दिल्ली ने पंजाब और उत्तर भारत के बाढ़ प्रभावित इलाकों में डॉक्टरों और नर्सों की टीम भेजी

नई दिल्ली। एम्स नई दिल्ली ने पंजाब और उत्तर भारत के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्य तेज करने के लिए विशेष पहल की है। इस पहल के तहत संस्थान ने डॉक्टरों और नर्सों की एक समर्पित टीम भेजी है, जो प्रभावित क्षेत्रों में रहकर लोगों को चिकित्सा सहायता और मानवीय सहयोग प्रदान करेगी।

टीम में मेडिसिन, मनोचिकित्सा, बाल चिकित्सा, सामुदायिक चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, रेडियोलॉजिकल डायग्नोसिस और प्रयोगशाला चिकित्सा जैसे विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्य नर्सिंग अधिकारी के कार्यालय से वरिष्ठ और अनुभवी नर्सिंग अधिकारी भी इस मिशन में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ये चिकित्सक और नर्सें लगातार काम करते हुए आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे, दवाइयां वितरित करेंगे और जरूरतमंद लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करेंगे। एम्स ने इसे अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बताते हुए कहा है कि यह पहल रोगी सेवा, शिक्षा और अनुसंधान की त्रिमूर्ति मिशन भावना पर आधारित है, जिसमें मानवता की सेवा को केंद्र में रखा गया है।

संस्थान ने इस टीम के सेवा भाव और निःस्वार्थ समर्पण को सराहते हुए उनके सफल मिशन और सुरक्षा की कामना की है। एम्स का यह कदम बाढ़ प्रभावित लोगों तक स्वास्थ्य और आशा पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

अशोक स्तंभ अंकित होने से नाराज प्रदर्शनकारियों हजरतबल दरगाह की जीर्णोद्धार पट्टिका को तोड़ा

श्रीनगर। श्रीनगर स्थित हजरतबल दरगाह के जीर्णोद्धार पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ अंकित होने से प्रदर्शनकारियों ने इसे तोड़ दिया। स्थानीय लोगों और नेताओं का कहना है कि मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर किसी भी प्रकार की जीव जंतु की आकृति का होना इस्लामी एकेश्वरवाद की अवधारणा के विरुद्ध है।

इस दरगाह में पैगंबर मोहम्मद के पवित्र चिह्न है। यहां आने वाले अकीदतमंदों ने दरगाह के भीतर उद्घाटन पट पर अशोक चिह्न अंकित करने के लिए जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की आलोचना की। हाल ही में इस दरगाह का जीर्णोद्धार किया गया और दरगाह के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन वक्फ अध्यक्ष दरखशां अंद्राबी ने किया।

दरगाह के अंदर रखी उद्घाटन पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक अंकित है, जिसकी विभिन्न वर्गों द्वारा तीखी आलोचना की जा रही है। कई जायरीनों ने कहा कि वक्फ बोर्ड की ओर से जम्मू-कश्मीर में मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं के प्रति च्च्असंवेदनशील होना च्च्शर्मनाक है।

सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के मुख्य प्रवक्ता और जदीबल के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि प्रतिष्ठित दरगाह में बुत स्थापित करना इस्लाम के खिलाफ है, जो बुतपरस्ती की मनाही करता है।

उन्होंने कहा, च्च्मैं कोई धार्मिक विद्वान नहीं हूं, लेकिन इस्लाम में बुतपरस्ती की सख्त मनाही है, जो सबसे बड़ा पाप है। हमारे ईमान की बुनियाद तौहीद है। लोगों ने शुक्रवार को राष्ट्रीय प्रतीक अंकित उद्घाटन पट्टिका को तोड़ दिया।

उत्तरकाशी: डीएम के आश्वासन पर थाने के बाहर धरना स्थगित

पुलिस जवान लाइनहाजिर, एसओ बड़कोट को हटाने का आश्वासन

संवाददाता - ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह, उत्तरकाशी

जनाक्रोश के बीच बनी सहमति

बड़कोट थाना क्षेत्र में युवक की पिटाई के मामले ने शुक्रवार को तूल पकड़ लिया। देर रात प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच सहमति बनने के बाद थाने के बाहर चल रहा धरना-प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया।

डीएम उत्तरकाशी प्रशांत आर्य के आश्वासन पर आंदोलनकारियों ने धरना खत्म किया। प्रशासन ने पिटाई में शामिल पुलिस जवानों को तत्काल लाइनहाजिर कर दिया, जबकि एसओ बड़कोट को शनिवार सुबह तक हटाने का आश्वासन दिया गया।

सड़कों पर उतरे लोग, थाना घेराव

शुक्रवार को युवक सुमित की पुलिस पिटाई के विरोध में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए।

विधायक संजय डोभाल के नेतृत्व में आक्रोशित भीड़ ने थाना घेराव और यमुनोत्री हाईवे पर जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई हो और थाना प्रभारी को तत्काल हटाया जाए।

डीएम ने दिया निष्पक्ष जांच का भरोसा

आंदोलन की गंभीरता को देखते हुए डीएम प्रशांत आर्य और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम के आश्वासन के बाद देर रात आंदोलनकारियों ने धरना समाप्त कर दिया। हाईवे पर यातायात सामान्य हुआ और क्षेत्र में तनाव कम हो गया।

शिक्षक दिवस पर उत्तरकाशी में विधिक साक्षरता शिविर, छात्रों ने दिया नशा उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल और जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी गुरुबख्श सिंह जी के दिशा-निर्देश पर शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के तत्वावधान में शुक्रवार को तिलोथ स्थित मस्सीह दिलासा स्कूल (एम0डी0एस0) और भीमराव अम्बेडकर राजकीय अनुसूचित जाति आवासीय छात्रावास में विधिक साक्षरता और जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविर में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी सचिन कुमार ने छात्र-छात्राओं और उपस्थित जनसमूह को शिक्षा का अधिकार अधिनियम, शिक्षा के महत्व और विधिक जानकारी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है और जागरूकता ही सशक्त समाज की नींव है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने नशा उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर भाषण दिए और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर सामाजिक संदेश दिया। शिविर में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी सचिन कुमार के साथ शिक्षक, समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी, अधीक्षक भूपेन्द्र महर, सहायक अधीक्षक सुनीता राणा, रिटेनर अधिवक्ता और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इन शिविरों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक सरोकारों और विधिक अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया गया।

चमोली में जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने ली शपथ

पथ प्रवाह, चमोली / संवाददाता संदीप बर्तवाल

जनपद में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी

चमोली के नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट एवं उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह खत्री ने शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर जनपद के अन्य निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों ने भी शपथ ली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट को शपथ दिलाई। इसके उपरांत अध्यक्ष ने उपाध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों को शपथ दिलाई।

समस्याओं का समाधान प्राथमिकता

शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट ने कहा कि वे जिले के प्रत्येक क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहेंगे और विकास कार्यों को प्रगति के पथ तक पहुंचाया जाएगा।

कार्यक्रम में थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, भाजपा जिला अध्यक्ष गजपाल बर्तवाल, राज्य मंत्री हरक नेगी, पारुल असवाल, बीरेंद्र राणा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जिले के प्रत्येक क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। विकास कार्यों को प्रगति के पथ तक पहुंचाना हमारा संकल्प है। — **दौलत सिंह बिष्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष**

एक नजर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को डॉक्टरों की सलाह पर फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने अस्पताल में भर्ती कर निगरानी और इलाज की सलाह दी है। वहीं, इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के अपने तय दौरे से पहले बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। सूत्रों के अनुसार मान बुखार से पीड़ित हैं। केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर मान से मुलाकात की थी।

इसके बाद आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कपूरथला जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सुल्तानपुर लोधी का दौरा किया और राज्य में चलाए जा रहे राहत कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत भी की।

नौसेना और कोस्टगार्ड के स्वदेशी एएलएच ध्रुव हेलिकॉप्टर जल्द ही फिर से उड़ान भरेंगे

नई दिल्ली। नौसेना और कोस्टगार्ड के स्वदेशी एएलएच ध्रुव हेलिकॉप्टर जल्द ही फिर से उड़ान भरने जा रहे हैं। इस साल जनवरी में पोरबंदर में कोस्टगार्ड का एएलएच ध्रुव हेलिकॉप्टर क्रैश होने के बाद जांच के लिए इन्हें ग्राउंडेड कर दिया गया था। अब यह जांच पूरी होने वाली है, जिसके बाद इन्हें दोबारा उड़ान की हरी झंडी मिल जाएगी। इल हेलिकॉप्टर को बनाने वाली हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के सूत्रों का कहना है कि जांच के लिए बनी डिफेक्ट इंवेस्टिगेशन टीम की रिपोर्ट में हादसे की सही वजह का पता चल गया है।

अब एचएएल नौसेना और कोस्टगार्ड को शुरुआती परीक्षण के लिए दो-दो ध्रुव हेलिकॉप्टर देगी। इनके उड़ान परीक्षण कामयाब होने के बाद अंतिम रिपोर्ट आएगी जिसके आधार पर उड़ान को लेकर अंतिम फैसला लिया जाएगा। इस साल पांच जनवरी को पोरबंदर में कोस्टगार्ड का एएलएच ध्रुव हेलिकॉप्टर क्रैश होने के बाद सेना, वायुसेना, नौसेना और कॉस्टगार्ड ने हेलिकॉप्टर के पूरे फ्लीट को ही ग्राउंड कर दिया गया था। पोरबंदर एयरपोर्ट पर हुई इस दुर्घटना में दो पायलटों और एक क्रू ड्राइवर की मौत हो गई थी। एक मई को शुरुआती जांच रिपोर्ट आने के बाद थलसेना और वायुसेना के ध्रुव हेलिकॉप्टर उड़ान भरने लगे थे, लेकिन नौसेना और कोस्टगार्ड के एएलएच ने उड़ान भरना शुरू नहीं किया था।

रेलवे मुंबई-रीवा विशेष ट्रेनों की 26 सेवाओं का विस्तार करेगी

मुंबई। रेलवे यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए मुंबई और रीवा के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन सेवाओं की अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया है। विवरण निम्नानुसार है

प्रत्येक शुक्रवार को चलने वाली 02188 सीएसएमटी मुंबई-रीवा विशेष अब दिनांक 03.10.2025 से 26.12.2025 तक (13 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। प्रत्येक गुरुवार को चलने वाली 02187 रीवा-सीएसएमटी मुंबई विशेष अब दिनांक 02.10.2025 से 25.12.2025 तक (13 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। परिचालन के दिन, समय, संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा। आरक्षण- विशेष ट्रेन संख्या 02188 की विस्तारित यात्राओं के लिए विशेष शुल्क पर बुकिंग दिनांक 07.09.2025 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट http://www.irctc.co.in पर शुरू होगी। इस विशेष ट्रेन के ठहरावों और समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया http://www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें। मध्य रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएँ।

कुमौड़ हिलजात्रा पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का वर्चुअल संबोधन

500 वर्षों से चली आ रही परंपरा हमारी सांस्कृतिक पहचान : सीएम

संवाददाता - जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़। सोर घाटी की जनता को शुभकामनाएँ शुक्रवार शाम 5 बजे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से कुमौड़ हिलजात्रा के अवसर पर सोर घाटी की जनता और श्रद्धालुओं को संबोधित किया।

उन्होंने इस 500 वर्षों से चली आ रही ऐतिहासिक हिलजात्रा पर सभी को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। सीएम ने कहा कि आस्था और मनोरंजन का यह अद्वितीय संगम सौर घाटी की पहचान बन चुका है।

लोक संस्कृति का जीवन स्वरूप

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरा-महेश की पूजा और सातू-आठू की परंपरा हमारी लोक संस्कृति का जीवन स्वरूप है। कुमौड़ के चार महर भाइयों की शौर्यगाथा से जुड़े मुखौटों, लाखिया बाबा, गलियां, बैल, किसान, हालिया और पुतरिया जैसे स्वरूप आज भी सुख-समृद्धि और खुशहाली का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि हिलजात्रा की शुरुआत भले ही वीरता से हुई हो, किन्तु समय के साथ यह कृषि पर्व के रूप में भी मनाया जाने लगा। बदलते दौर में भी सोर घाटी की जनता का परंपराओं के प्रति लगाव अनुकरणीय है।

विरासत पर गर्व का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ÷विरासत पर गर्व÷ संकल्प से जुड़ा हुआ है, जिसे आज पूरा देश आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने सभी आयोजकों व कलाकारों को शुभकामनाएँ दीं और प्रार्थना की कि गौरा-महेश का आशीर्वाद सभी पर बना रहे।

जिलाधिकारी और जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने सोर घाटी की जनता को इस 500 वर्ष पुरानी धरोहर को संरक्षित रखने और आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में दर्जा राज्यमंत्री गणेश भंडारी, जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र प्रसाद, भाजपा जिला अध्यक्ष गिरीश जोशी, नगर निगम महापौर कल्पना देवलाल समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने लाखिया बाबा एवं पारंपरिक झांकियों में सहभागिता की।

एक नजर

विमान में तकनीकी खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर(ईएमएस)। दिल्ली से इंदौर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की शुक्रवार सुबह इंदौर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट में कुल 161 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, उड़ान संख्या आईएक्स-1104 के इंजन में खराबी के चलते सुबह 09:54 बजे आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की घोषणा करते हुए अलर्ट जारी किया। इस पर फ्लाइट को लैंड करने के लिए रनवे के आसपास रेस्क्यू टीम, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सहित सभी संबंधित टीमें तैनात कर दी गईं। इमरजेंसी लैंडिंग की खबर जब विमान में बैठे यात्रियों को लगी तो हडक़ंप मच गया। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे उनके परिजन भी घबरा गए।

नकली नोट की फैक्ट्री पकड़ाई

40 लाख के नोटों के साथ 2 गिरफ्तार, मुख्य आरोपी पर 16 मामले दर्ज हैं

डीसा। गुजरात में बनासकांठा पुलिस ने डीसा तालुका के महादेविया गांव में नकली भारतीय नोट बनाने वाली एक फैक्ट्री पकड़ी है। गुरुवार देर रात की गई छापेमारी में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 40 लाख रुपए से ज्यादा के नकली नोट और उन्हें बनाने के उपकरण जब्त किए हैं। बनासकांठा पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) को विशेष सूचना मिली थी कि महादेविया गांव में नकली नोट बनाए जा रहे हैं। इसके आधार पर एलसीबी की टीम ने बीती देर रात गांव में छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां से 40 लाख से ज्यादा के नकली नोट बरामद किए। बनासकांठा के एसपी प्रशांत सुम्बे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि मामले के मुख्य मास्टरमाइंड संजय सोनी और कौशिक श्रीमाली नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि, मुख्य आरोपी रायमल सिंह फरार है। पुलिस के अनुसार, रायमल सिंह और संजय सोनी दोनों का आपराधिक इतिहास रहा है।

मुंबई पुलिस को व्हाट्सएप पर मिली धमकी

14 पाकिस्तानी आतंकी भारत में घुसे, 34 वाहनों में लगाए बम

मुंबई। मुंबई ट्रैफिक पुलिस को एक धमकी भरा संदेश मिला है। संदेश में मुंबई में अलग-अलग वाहनों में मानव बम लगाए जाने का दावा किया गया है। संदेश में यह भी लिखा था कि 14 पाकिस्तानी आतंकी देश में घुस आए हैं। धमकी भरा संदेश मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप नंबर पर भेजा गया। गणेशोत्सव और अनंत चतुर्दशी को देखते हुए मुंबई पुलिस सतर्क हो गई है। संदेश की जांच की जा रहा है। संदेश कहां से और किसने भेजा? यह भी पता लगाया जा रहा है।

मुंबई पुलिस ने बताया कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस को उनके आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर धमकियां मिलीं। धमकी में दावा किया गया कि शहर भर में 34 वाहनों में 34 मानव बम लगाए गए हैं। इसके विस्फोट से पूरी मुंबई दहल जाएगी। लश्कर-ए-जिहादी होने का दावा करने वाले इस संगठन ने दावा किया कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस आए हैं। धमकी भरे संदेश में आगे कहा गया कि विस्फोट में 400 किलोग्राम आरडीएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। मुंबई पुलिस सतर्क है और पूरे राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। धमकी के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

धोखाधड़ी मामले में बढ़ीं शिल्पा और राज की मुश्किलें

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और पति राज कुंद्रा से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अब अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया। मामले में अधिक जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने यह लुक आउट सर्कुलर जारी किया है, क्योंकि यह दंपति अक्सर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करता रहता है। उन्होंने बताया कि अदाकारा और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू पुलिस स्टेशन में एक कारोबारी से लोन कम निवेश सौदे में लगभग 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था। लुकआउट सर्कुलर एक ऐसी व्यवस्था है जिसका इस्तेमाल किसी व्यक्ति को देश छोडऩे से रोकने या उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जाता है, आमतौर पर एमीग्रेशन और सीमा नियंत्रण चौकियों को अलर्ट जारी करके।

ट्रैफिक नियम तोड़ने और सार्वजनिक स्थलों पर हुड़दंग करने पर 95 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

संवाददाता - जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़।

जनपद पुलिस ने शुक्रवार को ट्रैफिक नियम तोड़ने और सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने कुल 95 लोगों पर कार्रवाई की, वहीं शराब पीकर वाहन चलाने वाले दो चालकों को गिरफ्तार कर उनके वाहन सीज कर दिए।

पुलिस की सख्त कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के निर्देशन और सीओ गोविन्द बल्लभ जोशी व सीओ के.एस. रावत के पर्यवेक्षण में पुलिस टीमों ने जनपद भर में अभियान चलाया। शांति और कानून व्यवस्था भंग करने की किसी भी कोशिश को पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए सघन चेकिंग की।

डीडीहाट और बेरीनाग में गिरफ्तारी

एसएचओ कोतवाली डीडीहाट संजय जोशी की टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान दीपक सिंह धामी निवासी छनपट्टा, डीडीहाट को शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़ा। उसे गिरफ्तार कर वाहन सीज किया गया।

इसी तरह, एसएचओ कोतवाली बेरीनाग नरेश कुमार और चौकी प्रभारी चौकोड़ी उ0नि0 पूजा मेहरा की टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान केसर चन्याल निवासी ग्राम बड़ैत, बेरीनाग को शराब पीकर वाहन चलाने पर गिरफ्तार कर उसका वाहन सीज किया।

मिशन मर्यादा के तहत कार्रवाई

इसके अतिरिक्त पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर मिशन मर्यादा के तहत कार्रवाई की। कुल 95 लोगों को ट्रैफिक नियम तोड़ने और सार्वजनिक/धार्मिक स्थलों पर हुड़दंग करने पर पकड़ा गया।

वहीं जाजरदेवल पुलिस ने भी एक व्यक्ति को ड्रिंक एंड ड्राइव में गिरफ्तार कर उसका वाहन सीज किया।

थाना जाजरदेवल व नाचनी पुलिस ने चलाए जागरूकता कार्यक्रम, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और अधिकारों पर दी जानकारी

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़। जनपद पुलिस द्वारा महिलाओं और स्थानीय जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। 04 सितम्बर को थानाध्यक्ष जाजरदेवल मनोज पाण्डेय ने मड़मानले मेले के दौरान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसी क्रम में थानाध्यक्ष नाचनी मंगल सिंह नेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम सीणी एवं खतेड़ा में कार्यक्रम कर ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया।

महिला सुरक्षा पर जोर

पुलिस अधिकारियों ने विशेष रूप से महिलाओं को सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा अथवा अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 और महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 पर संपर्क करें।

साइबर अपराध से बचाव

जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के उपाय भी बताए गए।

साथ ही अपने अधिकारों की जानकारी देकर उन्हें सतर्क और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।

सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे की रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने बताया

देश में हर तीसरी मौत का कारण हृदय रोग, रिपोर्ट में सामने आई अन्य बीमारियों की डरावनी तस्वीर

नई दिल्ली। भारत में दिल की बीमारियों का खतरा अन्य रोगों की तुलना में सबसे अधिक देखा जा रहा है, ये हर साल होने वाली मौतों का प्रमुख कारण भी है। कुछ दशकों पहले तक हृदय रोगों को उम्र बढऩे के साथ होने वाली बीमारियों के रूप में जाना जाता था हालांकि अब कम उम्र के, यहां तक कि 20 से भी कम आयु के लोग इसका शिकार हो रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हर साल लाखों भारतीय हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं और इसमें बड़ी संख्या युवा पीढ़ी की भी है। 30-35 साल के युवा जो खुद को फिट और एनर्जेटिक मानते थे, अचानक हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपको ऐसी खबरें आए दिन देखने को मिलती होंगी।

हृदय रोग और इससे मौत के मामलों को लेकर आई एक हालिया रिपोर्ट में भी इस खतरे को लेकर अलर्ट किया गया है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के तहत किए गए सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे की रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि भारत में होने वाली सभी मौतों में से एक-तिहाई का कारण हृदय रोग हैं। दिल की बीमारियां देश में मृत्यु दर का प्रमुख कारण बनी हुए हैं, जो लगभग 31 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि जिस तरह से लोगों की दिनचर्या, खानपान में गड़बड़ी देखी जा रही है इससे आशंका है कि ये आंकड़े और भी बढ़ सकते हैं।

मृत्यु के कारणों पर रिपोर्ट 2021-2023 नामक शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नॉन कम्युनिकेबल डिजीज देश में मृत्यु का प्रमुख कारण हैं, जो सभी मौतों का 56.7 प्रतिशत है। इसके अलावा संचारी रोग, मातृ स्वास्थ्य में दिक्कत, प्रसवकालीन और पोषण संबंधी स्थितियां 23.4 प्रतिशत मौतों का कारण बनती हैं। कोविड से प्रभावित साल 2020-2022 की अवधि में ये आंकड़े क्रमश: 55.7 प्रतिशत और 24.0 प्रतिशत थे। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर हृदय रोग और इससे मृत्यु का खतरा बढ़ता देखा जा रहा है। इसके बाद श्वसन संक्रमण 9.3 प्रतिशत, घातक और अन्य नियोप्लाज्म 6.4 प्रतिशत तथा श्वसन रोगों के कारण 5.7 प्रतिशत मौतें होती हैं।

हृदय रोगों के चलते 30 से अधिक के आयु वर्ग में सबसे ज्यादा मौतें हो रही हैं, जबकि जानबूझकर चोट पहुंचाना-आत्महत्या के मामले 15-29 आयु वर्ग में मृत्यु का सबसे आम कारण है। रिपोर्ट में चिह्नित मृत्यु के अन्य कारणों में पाचन संबंधी रोग (5.3 प्रतिशत), अज्ञात कारण से बुखार (4.9 प्रतिशत), मोटर वाहन दुर्घटनाओं के अलावा अनजाने में लगी चोटें (3.7 प्रतिशत), मधुमेह (3.5 प्रतिशत) और जननांग संबंधी रोग (3.0 प्रतिशत) शामिल हैं। विशेषज्ञों ने कहा, चोट लगने से 9.4 प्रतिशत मौतें होती हैं जबकि अस्पष्ट कारणों से 10.5 प्रतिशत लोगों की जान जा रही है।

एक नजर

अनिल अंबानी-आरकॉम की मुश्किलें बढ़ीं

एसबीआई और बीओआई के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने घोषित किया फ्रॉड

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ इंडिया के बाद, एक अन्य ऋणदाता बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिवालिया रिलायंस कम्युनिकेशंस के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया है और इसके पूर्व निदेशक, उद्योगपति अनिल अंबानी का नाम लिया है, जिसमें एक दशक से अधिक समय पहले दिए गए ऋणों के कथित दुरुपयोग का हवाला दिया गया है, एक नियामक फाइलिंग के अनुसार। आरकॉम ने कहा कि उसे बैंक ऑफ बड़ौदा से 2 सितंबर को एक पत्र मिला है जिसमें कंपनी और प्रवर्तक अनिल अंबानी के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने के निर्णय की जानकारी दी गई है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये और 862.50 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा स्वीकृत की थी। आरकॉम द्वारा नियामकीय फाइलिंग में जारी ऋणदाताओं के पत्र के अनुसार, कुल 2,462.50 करोड़ रुपये में से 28 अगस्त तक 1,656.07 करोड़ रुपये बकाया थे। पत्र में कहा गया है कि इस खाते को 5 जून 2017 से गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जबकि आरकॉम कंपनी को अपने नियंत्रण में लेने तथा अपनी देनदारियों को चुकाने के लिए उपयुक्त व्यक्ति की तलाश में कॉर्पोरेट दिवाला समाधान कार्यवाही से गुजर रही है, बैंक ऑफ बड़ौदा ने पत्र में कहा है कि वर्तमान में एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित कोई सक्रिय समाधान योजना नहीं है।

बालाकोट एसरस्ट्राइक के बाद भारत-पाकिस्तान दोनों ने सीखे सबक-सीडीएस जनरल अनिल चौहान

गोरखपुर (ईएमएस)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान ने अलग-अलग सबक सीखे। भारत ने जहां लंबी दूरी तक मार करने वाले प्रिसिजन हथियार और हमले के बाद नुकसान का आकलन करने की क्षमता पर ध्यान दिया, वहीं पाकिस्तान ने संभवतः अपनी एयर डिफेंस प्रणाली को मजबूत करने पर फोकस किया।

गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि जब राजनीतिक नेतृत्व से चर्चा हुई तो यह साफ हो गया कि सिर्फ ड्रोन और लोटरिंग म्यूनिशन (घूमते हुए लक्ष्य तलाशने वाले हथियार) से लक्ष्य हासिल नहीं होगा। बहावलपुर और मुरिदके में आतंकी ठिकाने तबाह करने के लिए एयर पावर का इस्तेमाल जरूरी था। सीडीएस चौहान ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने सेना को साफ निर्देश दिए थे कि आतंकी ठिकाने नष्ट करने हैं और तभी जवाबी कार्रवाई करनी है जब पाकिस्तान हमला करे। इस ऑपरेशन में सेना को पूरी आजादी मिली थी, चाहे वो योजना बनाना हो या लक्ष्य चुनना। जनरल चौहान ने याद दिलाया कि 2016 में उरी हमले के बाद भारतीय सेना ने जमीनी रास्ते से पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के कैंप तबाह किए। 2019 पुलवामा हमले के बाद भारतीय वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा में एयरस्ट्राइक की थी। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के पास पहले से ही और बेहतर प्रिसिजन स्ट्राइक क्षमता मौजूद थी।

यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती की हत्या मामले में मां और भाई गिरफ्तार

लखनऊ,(ईएमएस)। हरदोई जिले के पाली थाना क्षेत्र के अलियापुर गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) की तैयारी कर रही 24 वर्षीय युवती मानवी मिश्रा की उसकी मां और दिव्यांग भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस इसे ऑनर किलिंग का मामला मान रही है। घटना के संबंध में बताया गया कि रविवार सुबह यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती मानवी अपने मायके में मृत पाई गई थी। परिजनों ने शुरू में दावा किया कि उसने आत्महत्या की है। फॉरेंसिक जांच में खुलासा हुआ कि गोली सिर के बाईं ओर से मारी गई थी, जबकि पिस्तौल उसके दाहिने हाथ में रखी गई थी।

इससे पुलिस को हत्या का संदेह हुआ। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मानवी ने जनवरी 2025 में बरेली के एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल अभिनव कटियार से आर्य समाज के रीति-रिवाजों और अदालत में पंजीकरण कर विवाह किया था। यह विवाह परिवार की मर्जी के खिलाफ था। इसी वजह से परिवार नाराज था और हत्या की साजिश रची जाने की आशंका जाहिर की गई।

दिल्ली पुलिस ने 15 विदेशी नागरिकों को किया डिपोर्ट, 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस सर्च अभियान चल रही है। इसी क्रम में पुलिस ने द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया है। द्वारका के पुलिस उपायुक्त के मुताबिक पुलिस ने अगस्त महीने में 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को निर्वासन के लिए भेजा। ये 15 लोग द्वारका में अवैध रूप से रह रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक द्वारका की ऑपरेशन यूनिट और पुलिस नियमित रूप से उन विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रही है, जो अवैध रूप से इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं। द्वारका के मोहन गार्डन थाने की 5, एंटी-नारकोटिक्स सेल की 5, उत्तम नगर थाने की 3 और डाबरी थाने की 2 टीमों ने द्वारका की निगरानी में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये टीमें उन विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए सक्रिय हुईं, जो बिना वैध वीजा के देश में तय समय से ज्यादा समय तक रह रहे हैं, अवैध रूप से प्रवेश कर चुके हैं और द्वारका जिले के क्षेत्र में रह रहे या घूम रहे हैं।

टैरिफ विवाद के बीच डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा यू-टर्न

मैं हमेशा पीएम मोदी का दोस्त रहूंगा, भारत और अमेरिका...

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है. शुक्रवार (05 सितंबर) को उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है. इसके कुछ घंटे बाद उन्होंने साफ किया कि वह भारत से बहुत निराश हैं क्योंकि भारत अब भी रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है. ट्रंप ने दावा किया कि इसी वजह से उनकी सरकार ने भारत पर बड़ा टैरिफ (शुल्क) लगाया है.

जब ट्रंप से पूछा गया कि आखिर किस वजह से अमेरिका ने भारत को चीन के पास खो दिया? तो ट्रंप ने कहा, ÷मुझे नहीं लगता कि हमने भारत को खो दिया है, लेकिन मुझे बहुत निराशा हुई कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है. मैंने यह बात भारत को बता भी दी थी. इसके बाद हमने भारत पर बहुत बड़ा टैरिफ लगाया, 50 प्रतिशत का जो काफी बड़ा है.

हालांकि, आलोचना के बीच ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपने व्यक्तिगत रिश्तों को भी रेखांकित किया. उन्होंने कहा, ÷मैं मोदी जी के साथ बहुत अच्छे संबंध रखता हूं. वह महान व्यक्ति हैं. कुछ महीने पहले वह यहां आए थे. ट्रंप ने पीएम मोदी की हाल की व्हाइट हाउस यात्रा को भी याद किया. उन्होंने बताया, ÷हम रोज गार्डन में गए थे, लेकिन वहां घास पूरी तरह भीगी हुई थी. वह प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए बिल्कुल खराब जगह थी. तब मैंने कहा कि चलो व्हाइट हाउस के प्रतीक चिन्ह वाली सुंदर सफेद पत्थर की जगह इस्तेमाल करें और यह सभी को बहुत पसंद भी आया.

मीडिया ने जब पूछा कि क्या वह भारत के साथ रिश्ते फिर से सुधारने के लिए तैयार हैं तो ट्रंप ने जवाब दिया, हां, मैं हमेशा तैयार हूं. मोदी जी मेरे अच्छे दोस्त हैं और रहेंगे. वह बहुत अच्छे प्रधानमंत्री हैं. बस इस समय उनकी कुछ बातें मुझे पसंद नहीं हैं, लेकिन भारत और अमेरिका का रिश्ता मजबूत और खास है. इसमें चिंता की कोई बात नहीं है.

ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत समेत कई देशों के साथ व्यापारिक बातचीत अच्छे से चल रही हैं और नतीजे सकारात्मक आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि अभी अमेरिका और भारत के रिश्ते थोड़े मुश्किल दौर में हैं. उनका कहना है कि अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के प्रभाव में खो दिया है.

इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, किस फैसले के ऊपर भड़का

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक कड़े आदेश में इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार लगाई है। मामला पिछले दो साल से जमानत रद्द करने के लिए 40 याचिकाओं में पूर्व निर्धारित आदेश (साइक्लोस्टाइल्ड टेम्पलेट ऑर्डर) पारित होने का है। इसमें शिकायतकर्ताओं को गवाह संरक्षण योजना, 2018 के तहत उपाय तलाशने के लिए कहा गया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि हमें इलाहाबाद हाई कोर्ट के कई आदेश मिले हैं, जो कानून की गलत धारणा पर आधारित हैं। खासकर यह कि गवाह संरक्षण योजना जमानत रद्द करने का एक विकल्प है। हाई कोर्ट के अनुसार, यह एक वैकल्पिक उपाय है।

बेंच ने कहा कि हमें यह जानकर दुख हो रहा है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, हमें कम से कम 40 हाल के आदेश मिले हैं, जो पिछले एक साल में ही पारित किए गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि जस्टिस पारदीवाला के नेतृत्व वाली बेंच ने ही इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार की एक दीवानी विवाद मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने के लिए आलोचना की थी तथा रिटायरमेंट तक उनसे आपराधिक मामलों को वापस ले लिया गया था। इस विवादास्पद आदेश को बाद में प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई के आदेश पर संशोधित किया गया था।

इस मामले में, जस्टिस पारदीवाला ने कड़े शब्दों में फैसला सुनाया और हाई कोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें हत्या के मुकदमे का सामना कर रहे एक आरोपी की जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। इसके बजाय शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत सहायता लेने के लिए कहा गया था। मूल शिकायतकर्ता फिरेराम ने आरोपी की जमानत रद्द करने का अनुरोध किया। इसके मुताबिक आरोपी ने हत्या के एक मामले के गवाहों को धमकी देकर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। हाई कोर्ट ने जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत आवेदन करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस तथ्य पर गौर करते हैं कि हाई कोर्ट ने एक बहुत ही अजीब आदेश पारित किया है। हाई कोर्ट का कहना है कि अपीलकर्ता के मामले में पीड़ित व्यक्ति के रूप में मूल प्रथम सूचनाकर्ता होने के नाते उपाय गवाह संरक्षण योजना के तहत है। दूसरे शब्दों में, इस आदेश को पढ़कर हम यही समझ पाए हैं कि हाई कोर्ट चाहता है कि अपीलकर्ता इस योजना के प्रावधानों का लाभ उठाए। ऐसा कहते हुए, हाई कोर्ट ने जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट को च्कानून के सुस्थापित सिद्धांतों को लागू करते हुए' गुण-दोष के आधार पर जमानत रद्द करने की याचिका पर निर्णय लेना चाहिए था।

शीर्ष अदालत ने आरोपी को जमानत देने संबंधी हाई कोर्ट के पिछले आदेश का हवाला दिया। साथ ही कहा कि हाई कोर्ट ने स्वयं कहा था कि किसी भी शर्त के उल्लंघन की स्थिति में, निचली अदालत आरोपी की जमानत रद्द करने के लिए स्वतंत्र होगी। बेंच ने कहा कि जब यह जमानत आदेश की शर्तों के उल्लंघन का स्पष्ट मामला हो और जब मूल प्रथम सूचनाकर्ता प्रथमदृष्टया यह प्रदर्शित करने में सक्षम हो कि आरोपी व्यक्ति किस प्रकार उसे दी गई छूट का दुरुपयोग कर रहा है, तो ऐसी परिस्थितियों में गवाह संरक्षण योजना के प्रावधानों की शायद ही कोई भूमिका रह जाती है।

हाई कोर्ट की प्रचलित प्रथा की कड़ी आलोचना करते हुए, बेंच ने कहा कि आदेश एक-दूसरे की हूबहू नकल हैं। हमें यह जानकर निराशा हुई है कि पूर्व निर्धारित (साइक्लोस्टाइल्ड टेम्पलेट) आदेश पारित करने की उपरोक्त प्रथा पिछले दो वर्षों से भी अधिक समय से प्रचलन में है। इसके परिणामस्वरूप, आदेश को रद्द कर दिया गया और हाई कोर्ट को निर्देश दिया गया कि वह चार सप्ताह में जमानत रद्द करने की याचिका पर पुनः सुनवाई करे, तथा धमकी के संबंध में दर्ज दो प्राथमिकी पर जांच अधिकारी से रिपोर्ट मांगे। बेंच ने रजिस्ट्री को प्रत्येक आदेश की एक प्रति सभी उच्च न्यायालयों को प्रसारित करने का निर्देश दिया।

भारत के स्टार्टअप आंदोलन में आईआईटी रुड़की का अहम योगदान : डॉ. जितेंद्र

रुड़की। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के दीक्षांत समारोह को संबंधित करते हुए कहा, देश भर में 1.7 लाख स्टार्टअप्स में से लगभग 240 स्टार्टअप्स के साथ, आईआईटी, रुड़की भारत के स्टार्टअप आंदोलन में एक बड़ा योगदान दे रहा है।

डॉ. सिंह ने कहा कि आपके नौ उत्कृष्टता केंद्र, आपदा जोखिम, लचीलापन एवं स्थिरता के क्षेत्र में आपका अग्रणी कार्य, एवं वाइब्रेंट विलेज जैसी पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ आपकी गहरी भागीदारी आपको एक शैक्षणिक संस्थान का सच्चा आदर्श बनाती है।

उन्होंने आईआईटी, रुड़की की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिमालय में स्थित होने के कारण, आपकी भूमिका न केवल आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण है, बल्कि उस समय भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिसे मैं 'शांतिकाल' कहता हूँ, जहाँ आपके जैसे संस्थान राष्ट्र के लिए लचीलापन, स्थिरता एवं विकास का निर्माण करने में सहायता करते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, ÷संस्थान को लगातार चौथे वर्ष भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा सर्वाधिक नवोन्मेषी संस्थान पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। साथ ही स्टैम में महिलाओं की उत्कृष्टता के लिए कार्टियर अचीवर पुरस्कार भी प्रदान किया गया है। जबकि कल शाम ही, राष्ट्रीय रैंकिंग में, आप छठे स्थान पर रहे। यह अपने आप में इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि इस संस्थान ने वर्षों से अपने मानकों को कितनी उल्लेखनीय निरंतरता के साथ बनाए रखा है।

समारोह में कुल 2,614 छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गई। जिनमें 1,267 स्नातक, 847 स्नातकोत्तर एवं 500 पीएचडी शोधार्थी (संयुक्त एवं दोहरी उपाधियों सहित) शामिल हैं। इनमें 602 छात्राएँ भी सम्मिलित हैं। अध्यक्षता अभिशासक परिषद अध्यक्ष डॉ. बीवीआर मोहन रेड्डी ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर (डॉ.) निर्मल जीत सिंह कलसी, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व अध्यक्ष, एनसीवीईटी, भारत सरकार, पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, पंजाब, उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन-249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई- www.pathpravah.com